

Shri Kuber Aarti Lyrics

Shri Kuber Aarti Lyrics in Hindi

ॐ जै यक्ष कुबेर हरे,
स्वामी जै यक्ष जै यक्ष कुबेर हरे ।
शरण पड़े भगतों के,
भण्डार कुबेर भरे ।
ॐ जै यक्ष कुबेर हरे,

शिव भक्तों में भक्त कुबेर बड़े,
स्वामी भक्त कुबेर बड़े ।
दैत्य दानव मानव से,
कई-कई युद्ध लड़े ॥
॥ ॐ जै यक्ष कुबेर हरे... ॥

स्वर्ण सिंहासन बैठे,
सिर पर छत्र फिरे,
स्वामी सिर पर छत्र फिरे ।
योगिनी मंगल गावैं,
सब जय जय कार करैं ॥
॥ ॐ जै यक्ष कुबेर हरे... ॥

गदा त्रिशूल हाथ में,
शस्त्र बहुत धरे,
स्वामी शस्त्र बहुत धरे ।
दुख भय संकट मोचन,
धनुष टंकार करें ॥
॥ ॐ जै यक्ष कुबेर हरे... ॥

भांति भांति के व्यंजन बहुत बने,
स्वामी व्यंजन बहुत बने ।
मोहन भोग लगावैं,
साथ में उड़द चने ॥
॥ ॐ जै यक्ष कुबेर हरे... ॥

बल बुद्धि विद्या दाता,
हम तेरी शरण पड़े,
स्वामी हम तेरी शरण पड़े ।
अपने भक्त जनों के,
सारे काम संवारे ॥
॥ ॐ जै यक्ष कुबेर हरे... ॥

मुकुट मणी की शोभा,
मोतियन हार गले,
स्वामी मोतियन हार गले ।
अगर कपूर की बाती,
धी की जोत जले ॥
॥ ॐ जै यक्ष कुबेर हरे... ॥

यक्ष कुबेर जी की आरती,
जो कोई नर गावे,
स्वामी जो कोई नर गावे ।
कहत प्रेमपाल स्वामी,
मनवांछित फल पावे ॥
॥ ॐ जै यक्ष कुबेर हरे... ॥

Shri Kuber Aarti Lyrics in English and Hinglish

Om Jai Yaksh Kuber Hare,
Swami Jai Yaksh Jai Yaksh Kuber Hare.
Sharan pade bhagton ke,
Bhandar Kuber bhare.
Om Jai Yaksh Kuber Hare,

Shiv bhakton mein bhakt Kuber bade,
Swami bhakt Kuber bade.
Daitty daanav maanav se,
Kai-kai yuddh lade.
Om Jai Yaksh Kuber Hare...

Swarna singhasan baithe,
Sir par chhatra phire,

Swami sir par chhatra phire.
Yogini mangal gaave,
Sab jai jai kaar kare.
Om Jai Yaksh Kuber Hare...

Gada trishool haath mein,
Shastr bahut dhare,
Swami shastr bahut dhare.
Dukh bhay sankat mochan,
Dhanush tankar kare.
Om Jai Yaksh Kuber Hare...

Bhaanti bhaanti ke vyanjan bahut bane,
Swami vyanjan bahut bane.
Mohan bhog lagaave,
Saath mein urad chane.
Om Jai Yaksh Kuber Hare...

Bal buddhi vidya data,
Hum teeri sharan pade,
Swami hum teeri sharan pade.
Apne bhakt jano ke,
Saare kaam sanwaare.
Om Jai Yaksh Kuber Hare...

Mukut mani ki shobha,
Motiyaan haar gale,
Swami motiyaan haar gale.
Agar kapoor ki baati,
Ghee ki jot jale.
Om Jai Yaksh Kuber Hare...

Yaksh Kuber ji ki aarti,
Jo koi nar gaave,
Swami jo koi nar gaave.
Kahat Prempal Swami,
Manvanchhit phal paave.
Om Jai Yaksh Kuber Hare...

Shri Kuber Aarti Meaning in Hindi

ॐ जै यक्ष कुबेर हरे,
स्वामी जै यक्ष जै यक्ष कुबेर हरे।

यहाँ 'ॐ' का उच्चारण करते हुए यक्ष कुबेर की स्तुति की जा रही है। कुबेर, जो धन और समृद्धि के देवता हैं, उन्हें 'स्वामी' के रूप में संबोधित किया गया है। यह भक्ति और श्रद्धा का भाव प्रकट करता है।

शरण पड़े भगतों के,
भण्डार कुबेर भरे।

यहाँ भक्तों की विनती है कि कुबेर उनकी रक्षा करें और उनके भंडार (धन) को भरें। भक्तों का विश्वास है कि कुबेर उनके सभी इच्छाओं को पूरा करेंगे।

ॐ जै यक्ष कुबेर हरे,

यह लाइन फिर से कुबेर की महिमा का स्मरण करती है।

शिव भक्तों में भक्त कुबेर बड़े,
स्वामी भक्त कुबेर बड़े।

कुबेर को शिव के भक्तों में सबसे बड़े भक्तों में से एक माना गया है। उनका स्थान और महत्त्व विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

दैत्य दानव मानव से,
कई-कई युद्ध लड़े।

कुबेर ने दैत्यों, दानवों और मानवों के साथ कई युद्ध लड़े हैं। यह उनकी शक्ति और वीरता को दर्शाता है।

ॐ जै यक्ष कुबेर हरे...

यह लाइन पुनः कुबेर की स्तुति में दोहराई जाती है।

स्वर्ण सिंहासन बैठे,
सिर पर छत्र फिरे,
स्वामी सिर पर छत्र फिरे।

कुबेर एक स्वर्ण सिंहासन पर विराजमान हैं, और उनके सिर पर छत्र (छाता) फहरा रहा है, जो उनकी महानता और रजतता को दर्शाता है।

योगिनी मंगल गावैं,
सब जय जय कार करैं।

योगिनी (शक्तियाँ) कुबेर की पूजा और आरती गा रही हैं, और सभी लोग 'जय जयकार' कर रहे हैं, जिससे एक मंगलमय वातावरण बन रहा है।

ॐ जै यक्ष कुबेर हरे...

यह फिर से कुबेर की स्तुति का उच्चारण है।

गदा त्रिशूल हाथ में,
शस्त्र बहुत धरे,
स्वामी शस्त्र बहुत धरे।

कुबेर के हाथ में गदा और त्रिशूल हैं, और उनके पास कई अन्य शस्त्र भी हैं। यह उनके युद्ध कौशल और शक्ति को दर्शाता है।

दुख भय संकट मोचन,
धनुष टंकार करें।

कुबेर सभी दुखों, भय और संकटों को दूर करने वाले हैं। धनुष की टंकार (ध्वनि) करके वे शत्रुओं का नाश करते हैं।

ॐ जै यक्ष कुबेर हरे...

यह फिर से कुबेर की स्तुति का उच्चारण है।

भांति भांति के व्यंजन बहुत बने,
स्वामी व्यंजन बहुत बने।

यहाँ विविध प्रकार के व्यंजन तैयार किए जा रहे हैं, जो कुबेर के स्वागत के लिए बनाए गए हैं।

मोहन भोग लगावैं,
साथ में उड़द चने।

कुबेर को भोग (प्रसाद) अर्पित किए जा रहे हैं, जिसमें उड़द दाल और चने भी शामिल हैं।

ॐ जै यक्ष कुबेर हरे...

यह फिर से कुबेर की स्तुति का उच्चारण है।

बल बुद्धि विद्या दाता,
हम तेरी शरण पड़े,
स्वामी हम तेरी शरण पड़े।

कुबेर को बल, बुद्धि और विद्या का दाता कहा गया है। भक्त उनके चरणों में शरण लेते हैं।

अपने भक्त जनों के,
सारे काम संवारे।

कुबेर अपने भक्तों के सभी कार्यों को सफल बनाते हैं और उनकी समस्याओं का समाधान करते हैं।

ॐ जै यक्ष कुबेर हरे...

यह फिर से कुबेर की स्तुति का उच्चारण है।

मुकुट मणी की शोभा,
मोतियन हार गले,
स्वामी मोतियन हार गले।

कुबेर का मुकुट और गहनों की शोभा बहुत सुंदर है, और वे मोती के हार पहने हुए हैं।

अगर कपूर की बाती,
घी की जोत जले।

यहाँ कपूर की बाती और घी के दीप जलाने का वर्णन किया गया है, जो पूजा का हिस्सा है।

ॐ जै यक्ष कुबेर हरे...

यह फिर से कुबेर की स्तुति का उच्चारण है।

यक्ष कुबेर जी की आरती,
जो कोई नर गावे,

स्वामी जो कोई नर गावे ।

कुबेर की आरती गाने की बात की जा रही है, जो उनके भक्तों के लिए एक विशेष अनुष्ठान है ।

कहत प्रेमपाल स्वामी,
मनवांछित फल पावे ।

यहाँ प्रेमपाल (भक्त) कहता है कि जो भी कुबेर की आरती गाएगा, वह अपनी इच्छाओं की पूर्ति करेगा ।

ॐ जै यक्ष कुबेर हरे...

यह अंत में कुबेर की स्तुति का पुनरावृत्ति है ।

Shri Kuber Aarti Meaning in English

Om Jai Yaksh Kuber Hare,
Swami Jai Yaksh Jai Yaksh Kuber Hare.

The chant begins with “Om,” praising Lord Kuber, the deity of wealth and prosperity. Kuber is addressed as “Swami,” indicating reverence and devotion.

Sharan Pade Bhakton Ke,
Bhandar Kuber Bhare.

The devotees seek refuge in Kuber, asking him to fill their stores (of wealth). They trust that he will fulfill all their desires.

Om Jai Yaksh Kuber Hare,

This line repeats the praise of Kuber.

Shiv Bhakton Mein Bhakt Kuber Bade,
Swami Bhakt Kuber Bade.

Kuber is acknowledged as one of the greatest devotees among the followers of Lord Shiva, highlighting his significance and

devotion.

Daitty Daanav Manav Se,
Kai-Kai Yuddh Lade.

Kuber has fought many battles against demons, danavas (mythical beings), and humans, demonstrating his strength and valor.

Om Jai Yaksh Kuber Hare...

This line reiterates the praise of Kuber.

Swarn Singhasan Baithe,
Sir Par Chhatra Fire,
Swami Sir Par Chhatra Fire.

Kuber is seated on a golden throne, and a canopy (umbrella) is held over his head, signifying his grandeur and royalty.

Yogini Mangal Gaavain,
Sab Jai Jai Kar Karein.

The divine energies (Yoginis) sing praises of Kuber, while everyone chants 'Jai Jai' to create a joyous and auspicious atmosphere.

Om Jai Yaksh Kuber Hare...

This line repeats the praise of Kuber.

Gada Trishul Haath Mein,
Shastra Bahut Dhare,
Swami Shastra Bahut Dhare.

Kuber holds a mace and trident in his hands, symbolizing his power in battle. He possesses many weapons.

Dukh Bhay Sankat Mochan,

Dhanush Tankar Karein.

Kuber is the remover of sorrows, fears, and crises. He strikes with his bow, indicating his readiness to combat enemies.

Om Jai Yaksh Kuber Hare...

This line repeats the praise of Kuber.

Bhaanti Bhaanti Ke Vyanjan Bahut Bane,
Swami Vyanjan Bahut Bane.

Many different dishes have been prepared for Kuber, showcasing a variety of offerings.

Mohan Bhog Lagavain,
Saath Mein Urd Chane.

Delicious offerings (bhog) are made to Kuber, including urad dal and chickpeas.

Om Jai Yaksh Kuber Hare...

This line repeats the praise of Kuber.

Bal Buddhi Vidya Data,
Hum Teri Sharan Pade,
Swami Hum Teri Sharan Pade.

Kuber is acknowledged as the giver of strength, intelligence, and knowledge. The devotees seek refuge in him.

Apne Bhakt Janon Ke,
Saare Kaam Sanware.

Kuber ensures that all the tasks of his devotees are accomplished successfully and helps resolve their issues.

Om Jai Yaksh Kuber Hare...

This line repeats the praise of Kuber.

Mukut Mani Ki Shobha,
Motiyaan Haar Gale,
Swami Motiyaan Haar Gale.

Kuber's crown and jewels are splendid, and he wears necklaces made of pearls.

Agar Kapoor Ki Baati,
Ghee Ki Jot Jale.

This line describes the offering of lamps made with camphor and ghee, a traditional part of worship.

Om Jai Yaksh Kuber Hare...

This line repeats the praise of Kuber.

Yaksh Kuber Ji Ki Aarti,
Jo Koi Nar Gaave,
Swami Jo Koi Nar Gaave.

This line speaks of the worship (Aarti) of Kuber, which is performed by any devotee.

Kahat Prempal Swami,
Manvanchhit Phal Pave.

Here, the devotee (Prempal) states that whoever sings Kuber's Aarti will receive their desired fruits (blessings).

Om Jai Yaksh Kuber Hare...

This concluding line reiterates the praise of Kuber.